कार्यालय प्रमुख अभियन्ता
उत्तराखण्ड लोक निर्माण विभाग
देहरादून।

(भूगर्भीय आख्या)

आख्या संख्या 72 / 2763 / 14

जनपद उत्तरकाशी में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या–94 सिलक्यारा (शिवगुफा) से मंजगांव मोटर मार्ग हेतु प्रस्तावित समरेखा की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

आख्या प्रति सत्यापित

सहायक अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड लो.नि.वि.
उत्तरकाशी

सहायक अभियन्ता
प्रा0 ख0 लो0 नि0 वि0
उत्तरकाशी

अगस्त 2014

द उत्तरकाशी में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या–94 सिलक्यारा (शिवगुफा) से मंजगांव मोटर मार्ग हेतु प्रस्तावित समरेखन की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

1. प्रान्तीय खण्ड, लोक निर्माण विभाग उत्तरकाशी के अन्तर्गत 5.00 कि0मी0 लम्बाई में सिलक्यारा (शिवगुफा) से मंजगांव मोटर मार्ग का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग उत्तरकाशी के अनुरोध पर प्रस्तावित समरेखन का अधोहस्ताक्षरी द्वारा दिनाँक 07.08.2014 को संबंधित सहायक अभियन्ता श्री विभोर गुप्ता एंव कनिष्ठ अभियन्ता श्री मोहित कोठारी के साथ निरीक्षण किया गया।

2. राज्य योजना के अन्तर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या–94 सिलक्यारा (शिवगुफा) से मंजगांव मोटर मार्ग के निर्माण हेतु 5.00 कि0 मी0 लम्बाई मे मार्ग का प्रथम चरण का निर्माण कार्य स्वीकृत है। मार्ग के निर्माण हेतु सम्बंधित खण्ड के द्वारा दो समरेखनों पर प्रारम्भिक सर्वेक्षण किया गया है। समरेखन संख्या दो के अनुसार मार्ग की लम्बाई बढ़ने एंव अन्य तकनीकी बिन्दुओं को ध्यान में रखते हुये प्रान्तीय खण्ड लो0 नि0 वि0 उत्तरकाशी के द्वारा समरेखन संख्या एक के अनुसार मार्ग के निर्माण का प्रस्ताव है। प्रस्तावित समरेखन राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 94 सिलक्यारा (शिवगुफा) से खड्ड साईड में आरम्भ होता है , तथा सौन्दगांव होते हुये स्वीकृत 5.00 कि0 मी0 लम्बाई पूर्ण कर मंजगांव में समाप्त होता है। कास सैक्शन 0/21 से 0/23 के मध्य समरेखन खुरमोला गाड़ को पार करता है , जिस पर सेतु के निर्माण की आवश्यकता होगी। आगे भी दो स्थानों पर समरेखन स्थानीय गधेरों को पार करता है तथा उन पर भी लघु सेतुओं के निर्माण की आवश्यकता होगी। समरेखन मे आठ हेयर पिन बैण्ड्स प्रस्तावित है , जिसमे कि0 मी0 3 मे चार बैण्ड्स दिये गये है जो अधिक प्रतीत होते है। निरीक्षण के समय अवगत कराया गया कि सभी बैण्ड्स टैरेस युक्त कम ढलान की कृषि भूमि मे तथा स्थिर भाग में दिये गये है। समरेखन की लगभग 3.9 कि0 मी0 लम्बाई नाप भूमि से तथा शेष 1.1 कि0 मी0 लम्बाई सिविल भूमि से गुजरती है।

3. समरेखन क्षेत्र की भूगर्भीय स्थिति, भू–आकृति एवं उक्त प्रस्तर में वर्णित तथ्यों को ध्यान में रखते हुये निम्न सुझाव दिये जा रहे है, जिन्हें प्रस्तावित मार्ग निर्माण में सम्मिलित किया जाना आवश्यक है।

(क) यथासम्भव मार्ग की पूरी चौडाई कटान करके प्राप्त की जाये। यह भविष्य में मार्ग की स्थिरता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। जहां रिटेनिंग दीवार का निर्माण अपरिहार्य हो वहां इनका निर्माण फर्म स्ट्रेटा पर समुचित परिकल्पना के आधार पर कराया जाये।

(ख) मार्ग के आरम्भ में टेक आफ प्वाइन्ट कम ढलान युक्त स्थिर भूमि में सावधानीपूर्वक बनाया जाये।

(ग) आरम्भिक भाग मे मार्ग हेतु कटान सावधानीपूर्वक किया जाये , तथा जहां आवश्यक हो मार्ग कटान के साथ–साथ समुचित ब्रेस्टवाल का निर्माण करा दिया जाये , जिससे एन0 एच0 –94 पर निर्मित भवन सुरक्षित रहे।

(घ) यह सुनिश्चित किया जाये कि समरेखन मे प्रस्तावित हेयर पिन बैंड कम ढलान युक्त स्थिर भूमि में सावधानीपूर्वक बनाये जाये तथा एक के ऊपर दूसरा बैण्ड न बनाया जाये।

(ड़) खुरमोला गाड़ पर तथा अन्यंत्र भी सेतुओ का निर्माण उपयुक्त स्थल चयन के पश्चात भूगर्भीय राय के आधार पर कराया जाये।

(च) समरेखन के समीप स्थित घरों से सुरक्षित दूरी रखते हुये बिना विस्फोटकों का प्रयोग किये मार्ग कटान किया जाये।

(छ) खुरमोला गाड़ से पूर्व आरम्भिक तीव्र पहाड़ी ढलान वाले भाग मे सावधानीपूर्वक मार्ग कटान किया जाये जिससे कोई अस्थिरता उत्पन्न न हो।

(ज) जहां मार्ग कटान की ऊंचाई अधिक हो और स्ट्रेटा कमजोर हो, आवश्यक होने पर उस भाग में मार्ग कटान के साथ–साथ समुचित ब्रेस्ट वाल का निर्माण कराया जाये।

AE

(झ) जहां आवश्यक हो, मार्ग से ऊपर व नीचे पहाड़ी ढलान पर समुचित पौधों का रोपण किया जाये जिससे ढलान पर भूक्षरण की प्रक्रिया को नियंत्रित रखा जा सके।

(ट) वर्षा के पानी की समुचित निकासी हेतु रोडसाईड ड्रेन एंव स्कपर का प्रावधान किया जायें। यह भी सुनिश्चित किया जाये कि स्कपर के पानी से भूक्षरण न हो।

(ठ) पर्वतीय क्षेत्र में मार्ग निर्माण के लिये निर्धारित सिविल अभियांत्रिकी के अन्य मानको एंव विशिष्टियों का भी पालन किया जाये।

4. मार्ग के नव निर्माण विषयक स्थायित्व सम्बंधी बिन्दुः–

(क) मार्ग के कटान के पश्चात हिल साईड मे जिस स्थान पर over burden material होगा तथा पहाड़ी ढलान slope forming material के angle of repose से अधिक होगा उस भाग में वर्षाकाल में पहाड़ी ढलान के अस्थिर होने की सम्भावना हो सकती है।

5 सिलक्यारा (शिवगुफा) से गंजगांव मोटर मार्ग हेतु 5.00 कि0मी0 लम्बाई का प्रस्तावित समरेखन वर्तमान परिस्थितियों में उपरोक्त सुझावों के साथ मार्ग निर्माण के लिये उपयुक्त प्रतीत होता है। इस हेतु प्रस्तावित भूमि भूगर्भीय दृष्टि से उपयुक्त है।

टिप्पणीः–

(1) भूमि हस्तांतरण की दृष्टि से समरेखन क्षेत्र में किये गये निरीक्षण एंव खण्ड द्वारा उपलब्ध कराये गये सर्वेक्षण विवरण के आधार पर यह एक जनरलाइज्ड आख्या है। मार्ग कटान के पश्चात् स्थिति में परिवर्तन भी सम्भव है। समरेखन/मार्ग पर किसी विशिष्ट बिन्दु पर यदि सुझाव की आवश्यकता हो तो उसे अलग से अवगत कराया जाए।

(2) मुख्य अभियन्ता, स्तर–1, लो0नि0वि0, देहरादून द्वारा समस्त अधीक्षण अभियन्ताओं को मार्गों के निर्माण एवं समरेखन निर्धारण के सम्बन्ध में प्रेषित पत्रांक 7272/8(1)याता0–उ0/05 दि0 16.11.2005 में दिये गये निर्देशों का भी अनुपालन किया जाये।

सत्य प्रति सत्यापित

J H Kumar
14.8.14
वरिष्ठ भूवैज्ञानिक
कार्यालय प्रमुख अभियन्ता
लो0 नि0 वि0 उत्तराखण्ड
देहरादून

सहायक अभियन्ता
प्रा0 ख0 लो0 नि0 वि0
उत्तरकाशी

अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड लो0नि0वि0
उत्तरकाशी